भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 362

सोमवार, 5 फरवरी, 2024/16 माघ, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

'प्रसाद' योजना के अंतर्गत धार्मिक स्थलों को शामिल करना

362. श्री अरुण कुमार सागर:

श्री अशोक कुमार रावत:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 'प्रसाद' योजना शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आज की तारीख के अनुसार, देश में विशेषकर देश के पिछड़े क्षेत्रों में उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किए गए पर्यटन और धार्मिक स्थलों का स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर और मिश्रिख संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में पर्यटन और धार्मिक स्थलों को शामिल करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इस संबंध में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने पिछड़े क्षेत्रों सहित पूरे देश में पहले से चिह्नित धार्मिक/विरासत स्थलों पर अवसंरचना विकास के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में प्रसाद (तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के अंतर्गत मंत्रालय इन स्थलों में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने प्रशाद योजना के अंतर्गत् 1631.93 करोड़ रु. की लागत से 46 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। इसका विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(घ) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में शाहजहॉपुर और मिशरिख संसदीय क्षेत्र में किसी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी है। तथापि मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना की आध्यात्मिक परिपथ थीम के अंतर्गत ''अहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी (उन्नाव) प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर- गोरखपुर- डुमरियागंज-बस्ती-बाराबंकी-आजमगढ़-कैराना- बागपत-शाहजहाँपुर का विकास'' और ''बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात- बांदा-गाज़ीपुर - सलेमपुर-घोसी- बलिया- अम्बेडकर नगर- अलीगढ़- फतेहपुर- देवरिया- महोबा- सोनभद्र- चंदौली- मिशरिख-भदोही का विकास'' परियोजनाओं को क्रमश: 71.91 करोड़ रु. ओर 67.51 करोड़ रु. की लागत से स्वीकृति दी है। दोनों परियोजनाएं पूरी हो गई हैं।

****

अनुबंध

श्री अरुण कुमार सागर और श्री अशोक कुमार रावत द्वारा 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत धार्मिक स्थलों को शामिल करना के संबंध में दिनांक 05.02.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या **362** के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **(करोड़ रु. में)**

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**क्र. सं.**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**भौतिक प्रगति (%)**
आंध्र प्रदेश	1.	अमरावती में तीर्थयात्री सुविधाओं का विकास	2015-16	27.77	100%
	2.	श्रीसैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	100%
	3.	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	5%
अरुणाचल प्रदेश	4.	परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88	37%
असम	5.	कामाख्या मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80	100%
बिहार	6.	पटना साहिब का विकास	2015-16	41.54	100%
	7.	विष्णुपद मंदिर में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2014-15	4.27	100%
छत्तीसगढ़	8.	माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2020-21	48.44	72%
गुजरात	9.	द्वारका का विकास	2016-17	13.08	100%
	10.	सोमनाथ में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	100%
	11.	सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	2018-19	47.12	100%
	12.	सोमनाथ गुजरात में क्यू मैनेजमैंट परिसर सहित तीर्थयात्री प्लाजा का विकास	2021-22	49.97	0%
	13.	अम्बाजी मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	15%
हरियाणा	14.	माता मंशा देवी मंदिर और नाडा साहेब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	72%

जम्मू एवं कश्मीर	15.	हजरतबल दरगाह का विकास	2016-17	40.46	90%
झारखंड	16.	बाबा बैद्यनाथजी धाम का विकास	2018-19	36.79	100%
कर्नाटक	17.	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ संबंधी सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0%
केरल	18.	गुरुवायूर मंदिर का विकास	2016-17	45.19	100%
मध्य प्रदेश	19.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	42%
	20.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	100%
महाराष्ट्र	21.	त्रियंबकेश्वर का विकास	2017-18	52.92	82%
मेघालय	22.	नोंग्सवालिया चर्च, नारतियांग शक्ति पीठ, एतनर पूल और चरनताला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2020-21	29.29	80%
मिज़ोरम	23.	चिते वंग, जुआंगूताई, रेईक और आईजॉल में तीर्थयात्रा एवं विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.89	3%
नागालैंड	24.	मोलूंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, एइजूटो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.26	81%
	25.	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	21%
ओडिशा	26.	पुरी में अवसंरचना विकास	2014-15	50.00	27%
पंजाब	27.	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	100%
	28.	चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	47%
राजस्थान	29.	पुष्कर / अजमेर का समेकित विकास	2015-16	32.64	92%
सिक्किम	30.	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	33.32	87%
तमिलनाडु	31.	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	100%
	32.	वेलंकनी का विकास	2016-17	4.86	100%
तेलंगाना	33.	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90	85%
	34.	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	8%
	35.	भद्राचलम में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	10%
त्रिपुरा	36.	त्रिपुर सुंदरी मंदिर का विकास	2020-21	37.80	67%

उत्तर प्रदेश	37.	वाराणसी का विकास -चरण-।	2015-16	18.73	100%
	38.	मेगा पर्यटन परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास	2014-15	10.98	100%
	39.	वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	100%
	40.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण	2014-15	9.36	100%
	41.	वाराणसी का विकास - चरण ।।	2017-18	44.60	100%
	42.	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	94%
उत्तराखंड	43.	केदारनाथ का समेकित विकास	2015-16	34.77	100%
	44.	बद्रीनाथजी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	62%
	45.	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि	2021-22	54.36	20%
पश्चिम बंगाल	46.	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	92%
		कुल		**1631.93**	

******